पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

C.B.P.R.

"Community based participatory Research"

(पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओ की भूमिका का अध्ययन)

ग्राम पंचायत गोमची, वि.ख. धरसींवा, जिला रायपुर (छ.ग.)

सत्र – 2018 -19

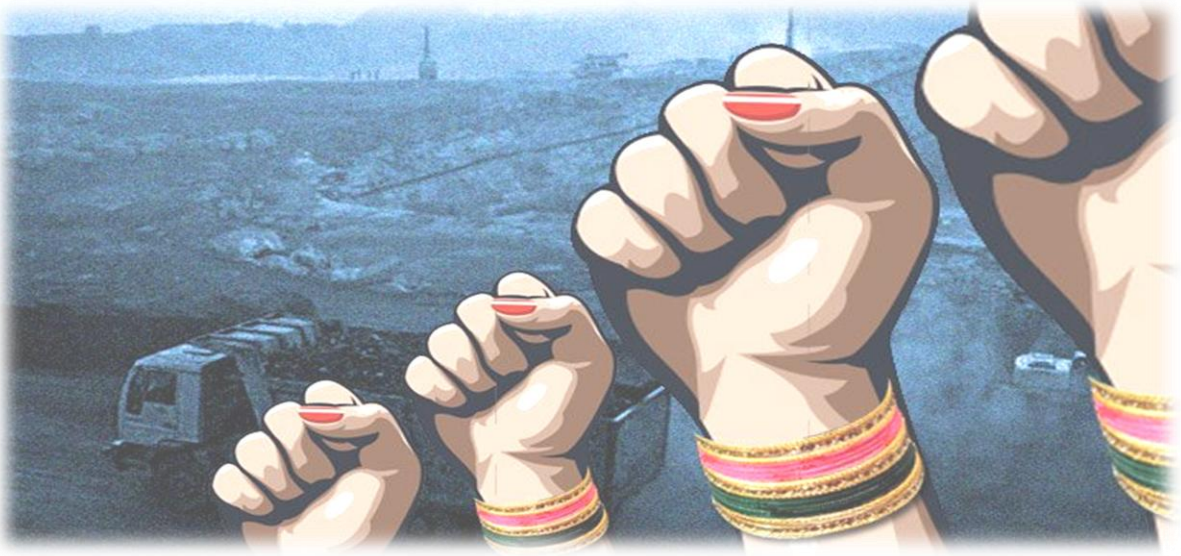

निर्देशक
डॉ. एल.एस. गजपाल

परियोजना प्रस्तुतकर्ता
प्रतीक साहेब गुप्ता, यशपाल साहू,
शीतलेश साहू, छत्रपाल साहू

CBPR, महिला अध्ययनशाला केंद्र
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1.	विषय के बारे में जानकारी	
2.	प्रस्तावना	
3.	ग्राम का चयन, ग्राम का परिदृश्य	
4.	तालमेल स्थापित करना	
5.	ग्राम सम्पर्क व चुनौतियाँ	
6.	रैली व सांस्कृतिक कार्यक्रम	
7.	पंच, सरपंच, समुदाय के साथ प्रश्नोत्तरी	
8.	निष्कर्ष एवं सुझाव	
9.	परिशिष्ट	

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओ की भूमिका का एक अध्ययन

- पंचायती राज व्यवस्था महिलाओं के लिए एक वरदान के रूप में उभरी है इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत में पंचायती राज आने से महिलाओं की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। पंचायती राज का प्रयत्न सही दिशा में महिलाओं में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन लाने तथा उन्हे नया जीवनदान देने में सफल हुयी हैं। महिलाओं की समाज में एक विशेष स्थिति बन सके इसके लिए महिलाओं को ग्रामीण विकास में सहायक बनाने हेतु अनेक प्रयास किए गए। हमारे देश की प्रारम्भिक सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि रही है जैसा कि प्राचीन संस्कृतियों में उद्धघत से स्पष्ट होता है। पंचायती राज की अवधारणा का विकास सामुदायिक विकास कार्यक्रमों को गति प्रदान करने और इच्छित जनसहयोग प्राप्त करने के उद्देश्य से हुआ। पंचायती राज सन् 1959 में तब अस्तित्व में आया जब बलवंत राय मेहता अध्ययन दल ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वर्तमान में पंचायती राज व्यवस्था महिलाओं के लिए वरदान ही साबित हुयी है। पंचायती राज ने आज महिलाओं को जागरूक बनाया और विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं में नवीन ज्योति जाग्रत की है। वर्तमान समय में हमें प्रत्येक क्षेत्र में महिला की कमी महसूस होती है। क्योंकि महिलाऐं अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाती चली आ रही हैं। वैश्वीकरण की इस दौड़ में महिलाऐं पुरूषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं।

- पंचायती राज व्यस्था में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था प्राप्त है लेकिन कुछ राज्यों जैसे बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड में महिलाओं के लिए यह आरक्षण 50 फीसदी है। इससे पता चलता है कि पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत ही

गरीब व अनपढ बेसहारा महिलाओं को एक्सपोजर तो मिला ही है। आज महिलाओं में कुछ करने की उम्मीद भी जाग्रत हुयी है। भारत में 73वें संविधान संशोधन के द्वारा महिलाओं की त्रिस्तरीय ग्रामीण पंचायतों और शहरी निकायों में 1993 से 33 फीसदी आरक्षण दिया गया है। इस प्रक्रिया में निर्वाचित महिला पंचायत सदस्यों के कार्य और अनुभव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही प्रकार के रहे हैं।

- पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से महिलाओं का जीवन बहुत प्रभावित हुआ है। सही मायने में पंचायती राज ने महिलाओं को समाज का एक विशेष सदस्य बना दिया है। भारतीय महिलाऐं भले ही कितनी सशक्त क्यों न हो जाए लेकिन उनकी मान मर्यादाऐं उनका पीछा नहीं छोड़ सकती हैं। यह तथ्य सही है कि 10 लाख महिलाऐं पहली बार सार्वजनिक जीवन में आयी हैं। यह आंकड़ा पूर्णरूपेण रूढिवादियों का सूचक है। अधिकतर निर्वाचित महिलाओं को निर्वाचक सदस्य होने के विषय में पूर्ण जानकारी भी नहीं है। वह तो आज मात्र पुरूषों के हाथों की कठपुतली बनी रहती है और वह महिलाऐं वही करती है जो इनके पुरूष कहते हैं। अगर उनसे इसके विषय में कुछ पूछा जाता है तो वह एक ही वाक्य में अपनी बातें समाप्त कर देती हैं। कि ''हम घरवालों से ऊपर होकर नहीं चल सकते हैं'' शायद उनको इस बात की जानकारी नहीं होती है कि वह कितनी अधिकार संपन्न हैं। अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता की कमी के कारण वह प्रभावी नहीं हो पाती हैं तथा उन्हे यह भी ज्ञान नहीं होता है कि वह एक कुशल प्रशासक भी हो सकती हैं।

प्रस्तावना – भारत गांवो का देश है | अतः ग्राम का विकास ही भारत का विकास है | इस भावना पर तथा गाँव के लोगो के अधिकारों की रक्षा एवं उन्हें उचित न्याय दिलाने एवं ग्राम को उन्नत करने के लिये ग्राम पंचायत की व्यवस्था की गई है | ग्राम पंचायत ग्राम की जीवनरेखा है | ग्राम पंचायत की योजना व प्रयासो एवं ग्राम की लोगो की एकजुटता पर ही ग्राम का विकास निर्भर करता है | सरकार के द्वारा चलायी जा रही सरकारी योजनाओ का कियान्वयन करने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की होती है |

ग्राम पंचायत – पंचायती राज लोकतांत्रिक क्रांति का द्वार है | ग्राम पंचायत का अर्थ प्रशासनिक ढांचे के निर्माण से है, जो व्यक्तियों के मूलभूत आवश्यकताओ को ध्यान में रखते हुए उनके लिए योजनाएं बनाये | ग्राम पंचायत के गठन के लिए यह जरुरी है कि ग्राम की आबादी कम से कम एक हजार हो, यदि गाँव की आबादी एक हजार नहीं है तो एक से ज्यादा गाँव को मिलाकर ग्राम पंचायत बनेगी |

1. **ग्राम सभा –** एक ग्राम में जितने मतदाता होंगे उन्हें मिलाकर गाँव की ग्राम सभा बनेगी, ग्राम के सभी मतदाता ग्राम सभा का सदस्य होता है | एक ग्राम पंचायत के अंतर्गत एक से अधिक गाँव भी हो सकते है इसलिए एक ग्राम पंचायत के अंतर्गत एक से अधिक ग्राम सभाएं भी हो सकती है |ग्राम सभा की बैठक वर्ष में 6 बार की जानी अनिवार्य है | 23 जनवरी, 14 अप्रैल, 20 अगस्त, 02 अक्टूबर व पांचवा, छठवा जून एवं नवम्बर के कोई भी तरिख में | ग्राम सभा की अध्यक्षता के लिए यदि सरपंच अनुपस्थित है तो उपसरपंच अध्यक्षता कर सकता है, यदि उपसरपंच न हो तो वह व्यक्ति जिसे ग्राम सभा में उपस्थित सदस्य नामित करे सभा की अध्यक्षता कर सकता है |

ग्राम सभा पहली अप्रैल से प्रारंभ होती है, यहाँ आगामी वर्ष के लिए पूरा कार्यक्रम तैयार किया जाता है | आय व्यय पर विचार किया जाता है | ग्राम सभा के प्रत्येक कार्य उपस्थित सदस्यों में बहुमत द्वारा पारित किया जाता है | ग्राम सभा की बैठक होनी रहती है इससे पहले सरपंच द्वारा सुचना पटल पर सुचना चिपका दी जाती है या मुनियादी करा दी जाती है तथा गणपूर्ति होने पर सभा आरम्भ करते है | गणपूर्ति न होने पर सभा स्थगित कर पुनः एक दो घंटे बाद सभा आरम्भ करते है, जितने सदस्य उपस्थित रहते है उन्ही से अनुमोदन कर प्रस्ताव पास किया जाता है | कुल मतदाता का 1/10 भाग सदस्य होने पर तथा उनमे से एक तिहाई महिला होना आवश्यक है, इसके बिना सभा नहीं हो सकती इसे गणपूर्ति कहते है | ग्राम सभा स्थायी होता है जो कभी भंग नही होती है |

ग्राम पंचायत के कार्यक्षेत्र – ग्राम पंचायत के कार्यक्षेत्र को दो भागो में बांटा गया है –

1. कार्य क्षेत्र 2. न्याय पंचायत

1. **कार्यक्षेत्र –** ग्राम पंचायत में ग्राम सभा के द्वारा गाँव के विकास के लिये नयी योजनाओ का निर्माण तथा वार्षिक बजट का लेखा करती है | ग्राम सभा में कर लगाने, ऋण लेने सम्पति कर, भूमि कर लेने का अधिकार ग्राम सभा ग्राम पंचायत के सदस्यों का चुनाव करती है | ग्राम सभा में पंचायत के सदस्यों द्वारा प्रतिवेदन तैयार किया जाता है |
2. **न्याय पंचायत –** न्याय पंचायत लोगो के आपसी झगड़ो को सुलह करने एवं उन पर कार्यवाही करने का पूरा अधिकार है | गाँव में होने वाले अन्य झगड़ो संपत्ति विवाद सभी प्रकार के समस्याओ जैसे चोरी, अश्लील हरकते व अन्य अपराध न्याय पंचायत के अंतर्गत आते है |

ग्राम पंचायत का गठन –

जिला स्तर पर	–	जिला पंचायत
विकासखंड स्तर पर	–	जनपद पंचायत
ग्राम स्तर पर	–	ग्राम पंचायत

ग्राम पंचायत की कार्यविधि - ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम के लिए कार्य किये जाते है जिससे जनता का हित हो तथा ग्राम की समृद्धि व विकास हो|

ग्राम पंचायत द्वारा किये जाने वाले कार्य –

1. साफ सफाई का ध्यान देना |
2. पेयजल की व्यवस्था करना |
3. लोगो के लिए आवागमन की सुविधा प्रदान करना |
4. विद्यालय व शिक्षक की स्थिति का ध्यान रखना |
5. मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराना |
6. सार्वजनिक स्थानों व सड़को पर अवैध कब्जा को हटाना |
7. मृत पशुओ के लिए स्थान सुनिश्चित करना |
8. जन स्वास्थ्य व रोग के उपचार में सहायता करना |
9. समाज की बुराइयो को दूर करना व लोगो को शोषण से मुक्ति दिलाना |
10. ग्राम पंचायत कोटवार द्वारा सभी सूचनाओ की मुनादी कराने की व्यवस्था जैसे – बैठक, ग्रामीण टीकाकरण शिविर, कर भुगतान, नीलामी आदि की सुचना देना |
11. आपसी विवादों का न्याय करना |
12. मादक पदार्थो के सेवन पर रोक लगाना |
13. आपत्तिजनक व्यवस्थाओ पर नियंत्रण, सार्वजनिक मेला, बाजार का प्रबंध करना |

ग्राम का चयन :-

प्रस्तुत परियोजना कार्य के निर्देशक डॉ. एल.एस.गजपाल सर के निर्देशन में प्रारंभिक प्रारूप तैयार किया गया व ग्राम का अवलोकन दौरा कर ग्राम गोमची,वि.ख. धरसींवा, जिला रायपुर (छ.ग.) का चयन किया गया. ग्राम गोमची विश्वविद्यालय से 10 किमी. की दुरी पर नंदनवन के निकट स्थित है. ग्राम पंचायत 11 वार्ड में बंटा है,ग्राम में 210 परिवार निवासरत है, जिनकी कुल जनसंख्या 1290 (म. 646,पु. 644) है, कुल मतदाताओ की संख्या 695 हैं जिसमे महिला मतदाता 327 और पुरुष मतदाता 368 है. शिक्षा सुविधा माध्यमिक स्तर तक है, 2 आंगनबाड़ी केंद्र, 4 मितानिन और 12 स्वसहायता समूह है.

गाँव के चयन का कारण :-

1. महिला पदाधिकारियों की बहुलता
2. लिंगानुपात में समानता
3. विषय आधारित ग्राम में वातावरण
4. महिलाओ का परिवार के संचालन में अधिक भागीदारी

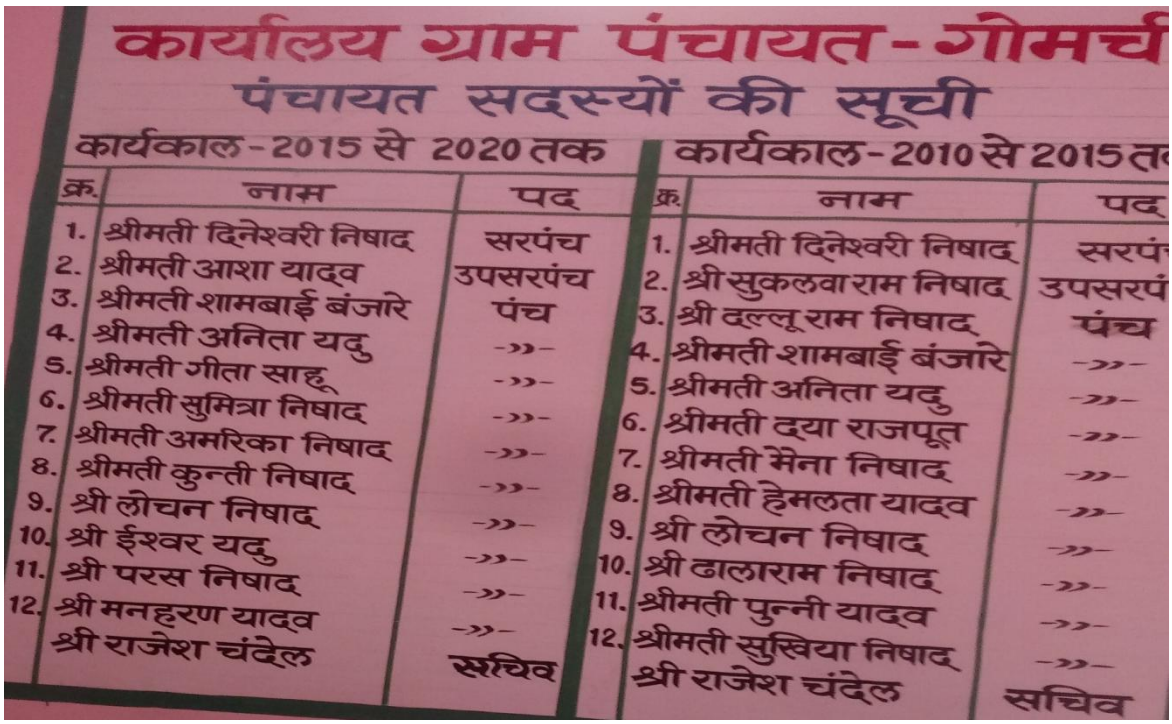

गाँव का परिदृश्य

यह सच है कि **गाँधी जी कहते है भारत गांवो में”** . असली भारत गांवो में बसता है , **भारत ,बसता हैकी आत्मा गाँव में निवास करती है** | “ यदि आप किसी गाँव को देखना चाहते है तो एक बार गोमची का अवलोकन जरुर करे | ग्राम गोमची छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगभग किमी की दुरी पर स्थित है 10 | गोमची में प्रवेश करने से पहले आगंतुको का स्वागतकर्ता नंदनवन है | नदियों की कलकल आवाज मन को हर्षित कर देने वाला, नये विचारो को जन्म देती प्रत्येक व्यक्ति को अपने उत्थान के लिये पुकारती होसहज ही शांति का आभास कराने वाली एक माँ के आंचल में जैसे एक , बच्चा अपने आपकोसुरक्षित व् आनंदित महसुस करता | बुजुर्गो की उन उम्मीदों भरी आँखों में, उस प्यार और स्नेह में , चारो ओर हरे भरे पेड़ पौधे से आच्छादित शहरी-कोलाहल से दूर सबको सुकून देने वाला प्रकृति की गोद में बसा कम आबादी वाला छोटा सा गांव है | गाँव में प्रवेश करते ही ग्राम की न्यायपालिका ग्राम पंचायत गाँव के सफल संचालन के लिए निर्मित है | शिक्षा के बिना जीवन दिशाहीन हो जाता है शिक्षा , मनुष्य को मनचाही ऊंचाईयो तक ले जाने में महत्ववपूर्ण भूमिका अदा करता है | शिक्षा में कमी के कारण मनुष्य का विकास रुक जाता है | गाँव में प्रारंभिक शिक्षा के लिए प्राथमिक व माध्यमिक शाला है | विद्या के इस पावन मंदिर में बच्चो के चंचल मन को रथ में जिस प्रकार सारथी का स्थान रहता है ठीक उसी प्रकार ही स्कूली बच्चो को मार्गदर्शन करने के लिए सदैव तत्पर है | जुड़े है जो प्रकृति की हर डोर से ,गाँव को सदैव पोषित करने वाली ग्राम के किनारे से लगा खारुन नदी लोगो के जीवन को कृषि के माध्यम से धन धान्य से परिपूर्ण कर नयें आयामों तक ले जाने के लिए अमृततुल्य वरदान हो गयी है | जिनमे कई घर के खुशियों का कारण वी.एन.आर. कम्पनी की फॉर्म है | जो कि गाँव में रोजगार के लिये महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है | गाँव में आज भी जमीन की गहराइयो तक , मिटटी की खुशबु और मेहनत कर अपने गाँव की रीति रिवाज एवं परम्पराओ को सहेजा हुआ | एक गाँव जो बुनियादी सुविधाओ व विकास की ओर अग्रसर होता हुआ |

तालमेल स्थापित करना

किसी नये स्थान पर एक निश्चित उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कार्य करते है तो यह तभी संभव होगा जब हम उस समुदाय के साथ सामंजस्य स्थापित करते है, अतः **C.B.P.R.** के उपकरण व प्रविधियो का प्रयोग करते हुए ग्रामवासियों से तालमेल बनाने का प्रयास किया गया ताकि उद्देश्य से सम्बंधित विषयो पर तथ्यपूर्ण जानकारी एकत्र किया जा सके| जो कि अग्रलिखित है –

1.रैली व नुक्कड़ नाटक – ग्रामीण परिवेश को समझने व उनके मध्य सम्बन्ध स्थापित करने के लिए ग्राम में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना व समाजकार्य विषय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के विशेष सहयोग द्वारा रैली निकालकर प्रमुख चौक,चौराहों में नुक्कड़ नाटक दिखाया गया. ग्राम भ्रमण के दौरान महिला सशक्तिकरण, पंचायत में महिलाओ की भूमिका, महिलाओ के अधिकार के विषयों में जागरुकता हेतु नारे लगाये गये जिसमे –

- "नारी पढ़ेगी ,विकास गढ़ेगी"
- जाग गई भाई जाग गई, नारी शक्ति जाग गयी|
- नारी दुर्गा काली है, गोमची को बदलने वाली है|
- नारी की महत्ता अपार, नारी बिन घर द्वार अंधियार|

जैसे नारे गाँव की गलियों में गुंजने लगे तथा ग्रामीण परिवेश को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए स्वच्छता अभियान की नारे लगे जिसमे -

- जगे गाँव की क्या पहचान, साफ सुथरा गली मकान|
- जन जन का नारा है, गोमची स्वच्छ बनाना है|

साथ ही नशे से सम्बंधित नारे भी लगाये गये जिसमे -

- बीडी पीकर खांस रहा है, मौत के आगे नाच रहा है|
- नशा नाश का जड़ है भाई, इसका फल अतिशय दुखदाई|
- जेन पीही दारू,वोला पडही झाड़ू|

ऐसे अनेक प्रभावी,उर्जापूर्ण व जोश के साथ नारे गाँव की गलियों में गूंजते रहा जिससे लोग अपने घरो से बाहर निकलकर देखने लगे. एक प्रकार से ग्राम के अधिकांश लोगो तक यह बात पहुच गयी जिनसे गाँव की बिगड़ी तस्वीर को बदलने के लिए रैली में स्वस्फूर्त महिला नेतृत्व तैयार होकर अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता दिखाई. नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिला सशक्तिकरण,घरेलू हिंसा,महिलाओ के अधिकार,बल अपराध, नशा उन्मूलन और स्वच्छता से जुड़े मुद्दों को प्रदर्शित किया गया.

2.समूह चर्चा – गाँव में निवासरत सामाजिक गतिविधियों में महिला नेतृत्व, पंचायत में पंच,सरपंच,उपसरपंच, व अन्य महिला पदाधिकारी, महिला स्व सहायता समूह के महिलाओ, युवको की युवा समिति, बच्चो के क्रीडा समूह से अलग अलग दिन जाकर समूह में चर्चा किया गया| जिसमे प्रमुख रूप से गाँव की प्राथमिक जानकारियां. जनसामान्य को दी जाने वाली सुविधा,ग्राम पंचायत के कार्यो के बारे में जानकारियो के साथ गाँव के विकास में व्यक्तिगत सहभागिता के विषय में जानने का प्रयत्न किया गया.

3.कहानी/प्रसंग सुनाना (Story telling) – लोगो के बीच जुडाव व तालमेल स्थापित करने के लिए कहानी बहुत ही महत्वपूर्ण माध्यम है. महिलाओ के साथ सफल संवाद करने के लिए विचारों को स्वंतंत्र ढंग से व्यक्त करने हेतु हमने कहानी का उपयोग किया. कहानी में छत्तीसगढ़ की सशक्त महिला फुलबासन बाई, शमशाद बेगम से जुडी घटनाओ को बताकर गाँव के विभिन्न मुद्दों के बारे में हमसे जुड़कर अपना विचार सहजता से साझा करते गये| जिसके दौरान उन्होंने अपने पूर्व में किये गये नशा उन्मुलन व अन्य समस्याओ के समाधान के लिए अपने समूह के द्वारा किये गये कार्यो के बारे में बताये साथ ही कार्य करते हुए अनेक कठिनाइयों के बारे में ज़िक्र किया. गाँव के सक्रिय युवको के साथ जुड़ने के लिए समाज से संघर्ष करते हुए कई युवाओ ने अपने मुकाम को प्राप्त किये है इस सन्दर्भ में प्रेरनादायी कहानियो को सशक्त माध्यम बनाकर परिचर्चा कि शुरुवात की गयी तथा बच्चों को खेल खिला कर व स्वयं जुड़ कर वीरों की गाथाओ को और कविताओं के माध्यम से उनके मनोभाव को जानने का प्रयत्न किया गया |

4 **स्टोरी मेकिंग** - समूह के साथ बैठकर परिचर्चा करने के दौरान स्टोरी मेकिंग में उपकरण का उपयोग करते हुए सामान्य विषय जैसे गाँव में हमारी सहभागिता कैसे हो इस पर परिचर्चा किया गया | वहां उपस्थित महिलाये बारी बारी से अपने राय प्रस्तुत करते गए इस दौरान महिलाएं अपनी निजी जिंदगी से जुडी नेतृत्व की कुछ अहम् पहलु साझा किया तथा अपने गाँव के पदस्थ महिला पदाधिकारीयों कार्य काल की जानकारी भी दिया और उन्होंने बताया की अधिकतर महिला कंपनियों में कार्य करने के लिए जाती है इनमें से कुछ महिला अपनी एक अलग से समूह बनाकर नशा सेवन करती है| |तत्पश्चात युवा समिति के युवकों के साथ इसी उपकरण का उपयोग किया गया जिसमे महत्वपूर्ण तथ्य निकलकर सामने आया जिसमें बताया की पंचायत में ग्राम सभा और आम सभा की बैठक होती है परन्तु हमारी उपस्थिति नगण्य रहता है और महिला सरपंच के दायित्व का निर्वाहन उनके पति जो कि पंचायत में पंच है उनके द्वारा कार्यों का निर्वाहन किया जाता है इनके साथ साथ गाँव के सामाजिक मुद्दों पर अपना विचार प्रकट किया जिसमे नशा जुआ , अस्वच्छता व शाला त्यागी बच्चे की समस्या प्रमुख थे तथा ग्रामीण जनों ने ये भी स्वीकार किया कि दैनिक कार्यों में व्यस्तता के कारण हम भी गाँव के विकास में अपनी सहभागिता नहीं दे पाते है | जिनके कारण बच्चों का शाला त्यागना और नशा की ओर आशक्त हुआ |

5. केस स्टडी -

केस स्टडी – 01

नाम – subject A

उम्र -55 वर्ष,पति का उम्र- 58 वर्ष तीन बच्चे – 1 लड़का और 2 लड़की

Subject A एक सामान्य परिवार से ताल्लुक रखने वाली महिला है जो मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार की पालन पोषण करने वाली है ,साथ ही इनके बेटे भी शहर से निकट होने के कारण कंपनी में कार्य कर घर में सहयोग करता है इनके दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है जब SUBJECT A अपने गृहस्थी जीवन की शुरुवात की थी उस समय बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा था ,पति उरला बिजली विभाग में ऑपरेटर का काम करता था ,उस समय शराब भी पिया करता था और नशे की हालत में घर आकर SUBJECT A के साथ मारपीट किया करता था |एक बार जब नशे की हालत में SUBJECT A के साथ मारपीट किया तो उनके पुरे शरीर में सुजन हो गया था तो पुरे आठ दिनों तक घर से बाहर नहीं निकल पायी धीरे धीरे जब उनके बच्चे बड़े हुए तो फिर एक दिन उनके पति ने SUBJECT A के ऊपर हांथ उठाने का प्रयास किया तो उनके बेटे ने अपने पिता का हांथ पकड़कर उस

उस पर हाँथ उठा दिया क्योंकि उन्होंने ऐसे कृत्य करने से मना किया था| वर्तमान में घर पर एयरटेल की टावर लगने के कारण पुरे समय घर पर व्यतित होता है और ग्राम पंचायत में पंच की भूमिका पर भी कार्यरत है क्योंकि घर में आय का साधन कंपनी के जरिये और बेटे के द्वारा किये गये कार्यों से आमदनी हो जाती है बाहर कार्यों की दायित्वों होने के साथ साथ भी घर में गृहणी के रूप में कार्य करती है श्यामा बाई बंजारे के परिवार के परवरिश के कर्ण उनके बेटे भी आज गलत संगती से दूर है जब उनके बेटे बचपन में गलत संगती में पड गया था तो उनके बेटे रोज उनको बताते थे की माँ आज हम लोग आम खाया ,पपीता खाया |

एक दिन की बात है जब SUBJECT A अपने दैनिक कार्य से घर पहुचे तो उनके बेटे घर में नहीं थे आसपास ढूंढा नहीं मिला तो वे पास के गाँव 2 की .मी. तक पैदल चलकर उसके दोस्त के घर जाकर अपने बेटे को वापस लाया घर तक आने तक कुछ नहीं बोला लेकिन जैसे घर में आये और उनके बेटे घर पे रखे खाट पे जैसे सोये उनको बहुत मारा और मिटटी तेल लाकर बोली की आज के बाद उन लोंगो के साथ जायेगा तो जलाकर मार डालूंगी उसके बाद उन लोगों के साथ जाना छोड़ दिया , इस घटना को दो ही दिन बीते थे उनके पुराने साथी चोरी करते हुए पकडे गए | तब से गाँव में एक सशक्त महिला के रूप में पहचान बनाई |आज भी बताते है की अपने बेटे को गलत के साथ घूमते देख उन पर तो चिलाते ही है साथ ही साथ उनके साथियो से भी झगड़ जाती हु|

पंच बनने के बाद अपने गाँव में सक्रीय सदस्य की भूमिका निर्वहन क्र रही हु , गाँव में ही वी. एन . आर. कृषि संस्था के एक कर्मचारी द्वारा गाँव की एक कार्यरत लड़की के साथ छेड़ छाड़ किया गया जिसकी सुचना पंचायत में आने से वी.एन.आर. के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया फिर एक लाठी पकड कर खड़ा हो गयी उसके बाद संस्था क मालिक ने उसकी गतली स्वीकार कर पंचायत के शरण में आया तो उसको एक दंड की राशि निर्धारित किया गया | ऐसे ही एक घटना और हुआ जिसमे लड़का लड़की क प्रेम प्रसंग का मामला था , उन्हें रात 10 बजे बैठक में आमंत्रित किया गया और सहजता से स्वीकार कर बैठक में उपस्थित हुआ और मामले का निपटारा करने का प्रयास किया गया | गाँव में एक आबादी कब्ज़ा का भी मामला आया था उसमे पंच सरपंच को निर्णय करने को कहा गया तो उसने पुरे बेबेकी के साथ अपनी बात रखी की यह केवल एक

कब्ज़ा नही किया है अपुतु सभी ने कुछ न कुछ जगह कब्ज़ा में रखे है यहाँ केवल एक को बोलना गलत है और यही पंचायत का अंतिम फैसाल रहा |

गाँव में एक पागल महिला कही से घूमते आ गयी थी और रात को नदी में कूद गयी जिसे वहां उपस्थित गाँव के युवाओ द्वारा निकाला गया, पानी में भीगने से भुत ठंडी लग रही थी तो शक्ति देवी ने अपने साड़ी दिया और पुलिस के आने पर गाँव वालो और पुलिस द्वारा उन्हें ही साथ चलने का आग्रह किया गया और साथ में उनके साथ चली गयी जहा उन्हें बहुत मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा , उसके भर्ती करने प्रोसेस तक उसके साथ लगभग 24 घंटा बितानी पड़ी सुबह का नास्ता मात्र कि थी रात में डरा दिया गया की ऐसे एक घटना में पागल औरत खिड़की की शीशा तोड़ भाग गयी थी उसके कारण रात में सो नही पायी थी उन्हें दूसरी रात को वापस घर छोड़ा गया |

आज गाँव में अपने पंच पद के दायित्व का अच्छे से निर्वाहन कर रही है ये बताती है की यदि गाँव में कोई गलत कर रहा है वहा से गुजरती हु तो उन लोगो को वहा से हटना पड़ता है ऐसा नही करती तो उन पर बरस पडती हु कहती है |

अपने इस सशक्त होने क पीछे अपने बेटे और पति को मानती है, उनके पति और बेटे कहते है आप पुरे दृढ़ता के साथ लड़ो हम आपके साथ है, और वह भी कहती है जीवन देना और लेना भगवान के हाथ में है,यदि भगवान ने आज ही मेरी मृत्यु लिखी है तो कोई नही टाल सकता तो फिर गलत लोगो के क्यों भयभीत होना |

केस स्टडी- 2

नाम- **SUBJECT B**

उम्र 27 वर्ष पति का उम्र 32 वर्ष

SUBJECT B मध्यम परिवार की महिला है |पति कंपनी में कार्यरत है और गृहणी की भूमिका निर्वाहन करती है शादी हुए 2 वर्ष ही हुआ था और पंचायत में पंच के लिए अपने वार्ड से चुनाव में खड़े हुए जिसमे भरी मतों से विजयी हुए | पंचायत में उपसरपंच के लिए के लिए पंचो की प्रोत्साहन मिलने के कारण उपसरपंच नियुक्त किये गए |उपसरपंच बनने के बाद एक से डेढ़ साल तक सक्रीय रही उसके बाद पति के द्वारा पंचायती कार्यों में दखल न देने को कहा गया और अपने घर के गृहिणी कार्यों में

अत्यधिक व्यस्तता होने के कारण पंचायत के कार्यों में रुझान नहीं दे पाती है और दो वर्षो से अभी तक पंचायत नहीं गये है उनका कहना था की सरपंच और सचिव अछे से कार्य करते है और अगर कुछ काम रहता है तो हस्ताक्षर करवाने के लिये रजिस्टर लाते है|आशा यादव का यह भी कहना है की वार्ड की कोई भी समस्या हो तो उनकी सुचना पंचायत तक पहुचाती है और उसका निराकरण भी हुआ है किसी का राशन कार्ड, आधार कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र नहीं था तो उसकी सहायता भी किया है SUBJECT B का कहना है की ज्यादा पढ़ी लिखी नहीं होने के कारण वह सरपंच और सचिव के ऊपर अपने सभी कार्यों के प्रति आश्वस्त रहती है |

केस स्टडी -*03*

नाम- SUBJECT C

उम्र 52 वर्ष पत्नी का उम्र 47 वर्ष

परिवार में तीन बच्चे है जिसमे दो लड़का और एक लड़की है |

SUBJECT C रायपुर में रोजी मजदूरी के लिया शहर में आते है और अपने परिवार का भरण पोषण करता है सियाराम जी का कहना है की गाँव की स्थिति बहुत ख़राब है खासकर गाँव में नशा करने वाले लोग बड़े बुजुर्ग से लेकर बच्चो भी शामिल है स्वच्छता की दृष्टि से भी गाँव की बहुत दयनीय स्थिति है |गाँव के बीच में घुरवा है और गाँव में नाली की व्यवस्था नहीं होने के कारण रास्ते में ही पानी भरा रहता है वर्तमान में गाँव की तरक्की थम सा गया है शायद पंच सरपंच और सचिव की निष्क्रियता का परिणाम है हलाकि कुछ पंच अपनी सक्रियता दिखाते है पर पर्याप्त नहीं है वी.एन.आर. कृषि संस्था और कृषक होने के कारण अधिकतर महिला कंपनी में या खेतों में कार्य करने जाती है इस कारण से लोग शत प्रतिशत पंचायत में अपनी भागीदारी नहीं दे पाते है | गाँव में बढती नशाखोरी का भी बढ़ने का यही कारण है क्योंकि महिला परिवार चला रही है जिस कारण यह पुरुष वर्ग अपने जिम्मेदारियों से विमुख होकर आसामाजिक तत्व में लिप्त है |

केस स्टडी -04

नाम – SUBJECT D

उम्र- 32 वर्ष, पति का उम्र – 38 वर्ष

पारिवारिक भूमिका -

यह एक सीधी -साधी सरल एवं मधुर स्वभाव की महिला है |गोमची इनका ससुराल है और संयुक्त परिवार में निवासरत है जिस प्रकार से ग्राम के सामान्य दिनचर्या में कार्य किया जाता है ठीक उसी प्रकार वह भी कार्य की दिनचर्या में अपना दायित्व निभाता है उसका मानना है की वह गाँव की बहु होने के नाते अपने कार्यों और विचारो को बेताबी से नहीं कर पाते है यह उनका स्वंम का मानना है |

राजनीती भूमिका –

परिवार में इनके पति की सक्रियता राजनीती में अधिक होने के कारण व ग्राम में उनका प्रभाव है चूँकि महिलाओं के लिए पद का आरक्षण होना SUBJECT D को सरपंच पद हेतु चुनाव का उम्मीदवार बनाना अक संयोंग ही था तथा सरपंच पति स्वंम पंच पद हेतु आगे आने का निर्णय किया व चुनाव जीते भी |SUBJECT D विगत दो पंचवर्षीय चुनाव जीत कर सरपंच के पद पर कार्यरत है |पंचायत के प्रत्येक कार्य व निर्णयों से जुडी प्रत्येक कार्य उनके पति के द्वारा हस्तक्षेप होता है वे सिर्फ उनके बताये अनुसार कार्य करती है तथा उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि जब वह प्रथम बार सरपंच का दायित्व निभाया तो उन्हें नहीं बोलने आता था और नही कुछ कार्य करने आता था परन्तु वर्तमान समय में बहुत कुछ सीख चुकी हु और अभी सीखना बांकी है |SUBJECT D ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपने पति के भरोषे पंचायत को छोड़कर खेती बाड़ी व गृह कार्यों में प्रतिदिन समय देती है और अपने पति को धन्यवाद करती है की जो भी आज हूँ उनके कारण ही हूँ क्योंकि उनके ही अथक प्रयास से आज मैं सरपंच के पद पर कार्यरत हूँ |

समस्या निवारण में भूमिका –

ग्रामीणों द्वारा अनेक विषयों पर समस्या लेकर मेरे पास आते है या तो अधिकतर मेरे पति के पास जाते है क्योकि जो भी व्यक्ति मेरे पास समस्या लेकर आते है तो उन स्मस्याओं को अपने पति के पास ले जाती हूँ | मेरे पति के सलाह पर ही उन सभी समस्याओ का निराकरण किया जाता है |

व्यक्तिगत विचार - सरपंच पद की भूमिका का पूर्ण निर्वहन करने के लिए अनेक कठिनाइयां स्वतः आते जाते रहती है किन्तु एक महिला व मां होने के कारण बच्चो के लालन पालन में परिवार के बीच समय ज्यादा देना पढता है और जितना समय एक सरपंच को अपने ग्राम पंचायत व ग्रामवासियों को देना चाहिए वो मुझसे नही हो पता है. ग्राम के विभिन्न गतिविधि मुझे अपने पति का सहयोग लेना पढता है. वास्तव में मुझे गाँव के लिए सकारात्मक कार्यो को क्रियान्वित करने का विचार जरुर रहता है लेकिन मेरे शिक्षा के कमी होने से मै अधिकतर निर्णय व कार्यो के लिए व्यक्तिगत विचार को प्रभावी करने में असक्षम रही हूं |

ग्रामीणों की अपेक्षा - ग्रामीणजनो का सरपंच के लिये अनेक अपेक्षाए रहती है जो उनका अधिकार भी है. चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि ग्रामीणों में यह नाराज़गी है कि स्वयं सरपंच होकर प्रत्येक कार्यो के लिए अपने पति का ही सहारा लेती है. पर जब भी मै समस्या में रहती हूं तो समाधान हेतु मेरे पति ही प्रथम सलाहकर,सहयोगी होते है. मै उनके साथ रहती हूं यदि उनके जानकारी के बिना ही विरुद्ध में कोई कार्य करूंगी तो पारिवारिक सम्बन्ध में उलझने पैदा हो जायेगी, जो कि मेरे व मेरे बच्चो के भविष्य के लिए नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करेगी. मै उनके ही संरक्षण में सदैव कार्य करती रहूंगी. क्योकि इस मुकाम तक पहुँचने में उनकी ही अहम भूमिका है. लोग चाहे मुझे कुछ भी कहे मुझे कोई प्रभाव नही पडेगा |

6. ऑडियो रिकॉर्डिंग –

मोबाइल के मध्यम से चर्चा को ऑडियो रिकार्डिंग के द्वारा संरक्षित किया गया ताकि उसे बाद में सुन कर उसका अच्छे से विशलेषण किया जा सके और साथ ही साथ सामने वाले से चर्चा के दौरान किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो | इससे संवाद का क्रम निरंतरता में होती हैं किसी प्रकार के विषय सम्बन्धित बातों की सम्भावना कम होती है |

7. नारा लेखन (WALL PENTING) – गाँव के मुख्य चौक चौराहों पर जागरूकता के लिये महिला सशक्तिकरण, नशा, शिक्षा से जुड़े विषयों पर नारा लेखन किया गया |

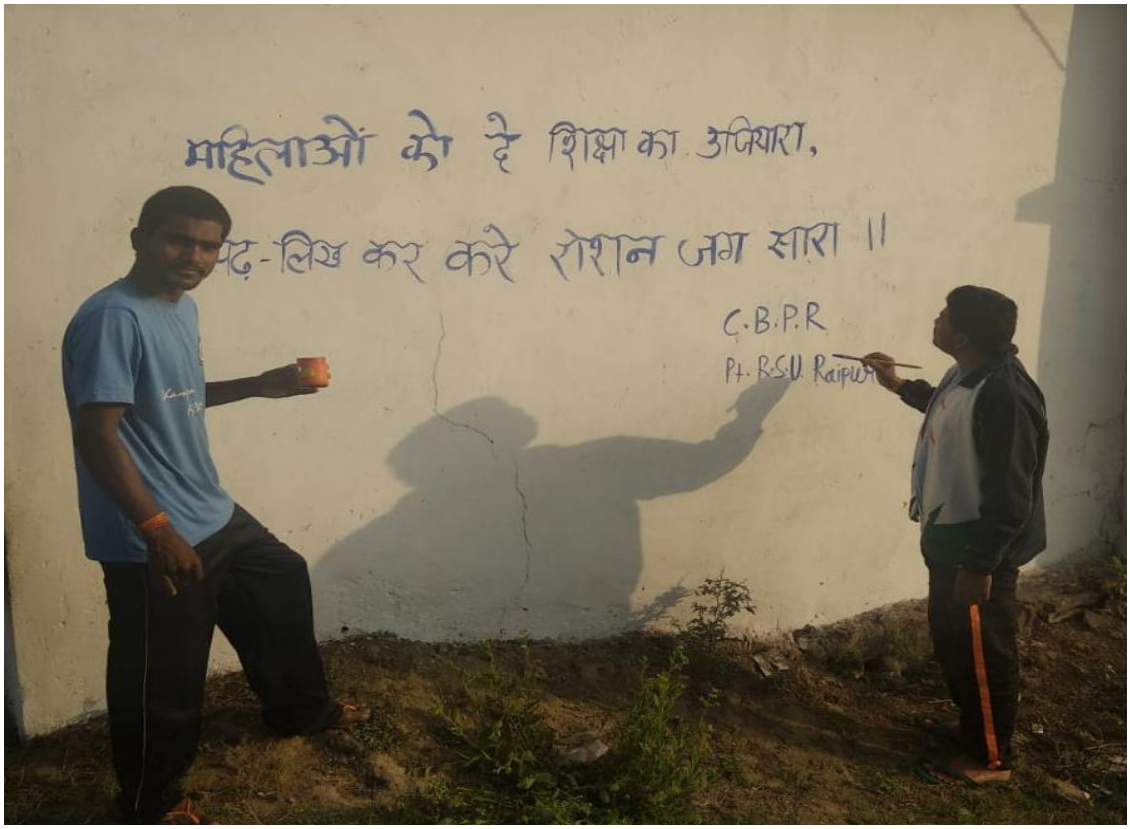

संपर्क

ग्राम संपर्क हेतु प्रारंभिक दौर में केवल अवलोकन कार्य किया गया तत्पश्चात हम लोगो ने ग्राम पंचायत में जाकर सरपंच से मिलने का निर्णय किया |पंचायत में जाने के बाद वहाँ केवल सरपंच पति जो कि स्वंम पंच है और पंचायत में कार्य करने वाले भृत्य से मुलाकात हुआ हम लोगों ने अपने परिचय देते हुए अपने विषय को रखा व ग्राम के पंच ,सरपंच के नाम ,समूह के नाम व उनके स्थानों के बारे में जानकारी प्राप्त किया |फिर हम लोगों ने फिर प्राथमिक शाला और माध्यमिक शाला के बच्चों व शिक्षको से चर्चा किया जिससे हमें ग्राम की वस्तुस्थिति तथा ग्रामीण प्रमुख और सक्रीय लोंगो के बारे में जानकारी प्राप्त हुआ |हम लोंगो ने ग्राम पंचायत के सचिव से मिलने के लिये पंचायत गये प्रारंभ में जब हम लोग पंचयत गये थे तो

सचिव अवकाश पे थे इसलिए सचिव से मिलकर ग्राम के विस्तार पूर्वक चर्चा की गई उननके निजी अनुभवों आदि के बारे जानने का प्रयास किया गया |ग्राम संपर्क के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दीदी से मुलाकात किया जिसके माध्यम से हम लोगो को ग्रामीण लोंगो के बीच संपर्क बनाने में सहयोग प्राप्त हुआ |दीदी के माध्यम से हम लोंगो ने स्व सहायता समूहों से चर्चा और एकल चर्चाएँ भी की गई |

प्रत्येक जाति, वर्ग , समूहों व मोहल्लो में निरंतर संपर्क स्थापित किया गया जिसमें युवा टोली,मितानिन, महिला स्व सहायता समूह ,पंच, आम नागरिक,मजदुर,किसान,व्यापारी ,व ग्राम प्रमुख इत्यादि लोंगो से संपर्क स्थापित कर अपने विषय से सम्बंधित जानकारियां प्राप्त किये |

चुनौती

ग्राम गोमची का चयन कर वहां काम करना चुअनौतिपूर्ण कार्य रहा, क्योकि गोमची में अनेक ऐसी स्थितियां थी जिनके साथ तालमेल बिठाना व् उनका सामना करना एक शानदार व् उपयोगी अनुभव प्राप्त हुए जो कि निम्नलिखित है –

1. **शोध क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति -** पूर्व में उल्लेखित है कि यह ग्राम गोमची, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से लगभग 10 किमी की दुरी पर स्थित है. जहाँ यातायात की साधनों की अत्यधिक कमी है, इस क्षेत्र में जाने हेतु स्वयं का परिवहन का उपयोग करना होता था या किराये के द्वारा परिवहन का उपयोग करना पड़ता था. चूँकि हम छात्र है हमारे आय का कोई माध्यम न होने के कारन ऐसे क्षेत्र में प्रतिदिन एक महीने से भी ज्यादा दिनों तक जाना पड़ा. जो कि स्वयं खर्च वहन कर जाना पड़ता था. भोजन व् रात्रि विश्राम की सुविधा न होना भी एक मुख्य समस्या रही. ग्राम गोमची दो भागो में बंटा हुआ है, मुख्य जगहों मे से

बजरंग चौक, सतनाम पारा,निषाद पारा आदि एक साथ है, जबकि एक हिस्सा 01 किमी दुरी पर है जिसे भाटापारा के नाम से जानते है. जिनके कारन हमें संवाद के लिए कठिनाई का सामना करना पड़ा, जो कि एक अलग गाँव सा प्रतीत होता है.

2. **संपर्क का समय** – यह ग्राम राजधानी रायपुर से अत्यधिक निकट होने से अनेक औधोगिक क्षेत्र से जुड़े कम्पनी तथा गाँव में ही कृषि से जुडी संस्था वी.एन.आर. स्थापित है, जिसमे ग्राम के लगभग प्रत्येक परिवारों से अधिकतम लोग अपने आजिविका के लिए सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक कार्य करते है. इस दौरान उनसे संपर्क स्थापित कर पाना बेहद मुश्किल था. ग्राम में निरंतर पुरे वर्षभर यही दिनचर्या होने के कारण उनसे सम्पर्क हेतु हमे सुबह 6 बजे व शाम 6 से रात्रि 9 बजे तक का समय में रहना पड़ता था. साथ ही यातायात के लिए उचित साधनों का उपलब्ध न हो पाना इस सम्पर्क कार्य को और ज्यादा जटिल बना देता था.

3. **ग्राम की सामाजिक स्थिति** – ग्राम में विभिन्न जातियों में निषाद,ध्रुव,सतनामी,ब्राम्हण,यादव और यदु इत्यादि जाती के लोग निवासरत है. धार्मिक अस्थाओ से जुडा हुआ यह ग्राम जहाँ जाति,धर्म व् पुरुषवादी विचारधारा का सुदृढ़ होना और हमारे विषय "पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओ की भूमिका" के लिए थोड़ी टेढ़ी खीर के सामान थी. यह ऐसा था यदि हमारा किसी विषय पर मतभिन्नता या उनको पसंद न आये तो उसका स्वरुप जाति,धर्म,बाहरी व्यक्ति जैसे मानसिकता के चलते उलझने की आशंका रहती थी. क्योकि चर्चा के दौरान अनेक घटनाओ के घटित होने की जानकारी प्राप्त हुआ था. परन्तु इसके बावजूद भी हमने यहाँ सभी के साथ केवल अनौपचारिक बाते करके सम्पर्क बनाया गया तत्पश्चात दुसरे बार में उनसे व्यक्तिगत विचार ,पारिवारिक स्थितियो को जानकारी लेते हुए विषय से सम्बंधित चर्चा करते गये.

4. **मानसिक स्थिति** – ग्राम में हमारे प्रति लोगो का प्रारंभिक दृष्टिकोण सरकारी कर्मचारी, सर्वे, जांच करने वाले, योजनाओ का लाभ देने के सम्बन्धी समझकर

व्यवहार करते थे. किन्तु ग्राम में लोग अपने व्यक्तिगत कार्यों में व्यस्तता के चलते सामाजिक गतिविधियों में जवाबदेहिता के साथ अपनी सहभागिता कार्यानुरूप नहीं दे पाते.

5. **राजनैतिक स्थिति** – गाँव की राजनीति में जतिवादिता, परिवारवाद विचारधारा का प्रबलता अधिक होने के कारण चुनावी समीकरण में स्पष्ट प्रभाव देखने को मिलता है. गाँव की संरचना व् परम्परा व्यवस्था ही ऐसी होती है, जो आपस में जुडी होती है, जिसके कारण वह किसी भी विषय पर लोगो को बोलने में संकोच करते है. क्योकि उनका मानना है कि कोई भी व्यक्ति मुखबिर बनकर आपसी सौहाद्रता को तोड़ने का प्रयास करते है इसलिए सच्चाई को बताने में संकोच करते है. आतंरिक रूप से राजनैतिक प्रभाव हर विषय मे हस्तक्षेप अत्यधिक होने के कारण लोग पंचायत से दूर रहते है. इसका प्रत्यक्ष उदाहरण आमसभा व् ग्रामसभा में लोगो की उपस्थिति नगण्य पाया जाना है. पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओ की स्थिति के विषय में बात करना सबसे बड़ी चुनौती रही. हमने इस समस्या को दूर करने के लिए ग्राम प्रमुख व ग्रामवासियों से आत्मीय एवं मधुर सम्बन्ध स्थापित किया. जिससे हमारी छवि ग्राम में विषय के अनुरूप तैयार हो पाया व् लोगो के साथ सामंजस्य स्थापित करना सरल हो सका.
6. **नशा** – ग्राम में प्रमुख चुनौती के रूप में नशा का अत्यधिक प्रभाव देखने को मिला साथ ही नशे की लत के कारण जुआ खेलने की प्रवृत्ति भी देखने को मिला. नशे के प्रभाव को केवल पुरुषो में ही नहीं अपितु महिलाए भी अपने परिवार के साथ मदिरा सेवन करती है तथा कुछ महिलाये समुह में बैठकर पुरुषो की भांति नशापान करती है. इसका प्रभाव वहां के छोटे बच्चो में जिनकी आयु 10 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चो में नशा का तेजी से बढ़ता प्रभाव देखने को मिला. इन परिस्थितियों में गाँव में निरंतर सम्पर्क करने, समन्वय बनाने के लिये कार्य करना खतरों को आमंत्रित करने जैसे स्थिति बनी रहती थी. ऐसे स्थिति से दूर रहने के लिए हमने ऐसे वर्ग का साथ लिया जो नशे के सख्त खिलाफ आवाज़ उठाते रहे है. जिसके फलस्वरूप भय के कारण असमाजिक तत्व, नशापान

करने वाले दूर रहे. इस प्रकार नशे से सम्बंधित लोगो के बीच कार्य करना बड़ी चुनौती पूर्ण रहा |

7. **अपराध** – ग्रामीण परिवेश की आतंरिक स्तिथि अगर राजनीती ,गुटबाजी ,जातिवादी ,पुरुषवादी विचारधारा व् नशा का अत्यधिक प्रभाव हो वहां अपराध की स्तिथि की संख्या भी अधिक होना स्वाभाविक है | यह एक ऐसी चुनौतीपूर्ण कार्य थी की अगर हम इस स्तिथि से अपने आप को नहीं बचाते तो हमारे शोध कार्य का अध्ययन नहीं हो पाता और हमारी शोध कार्य करने की दिशा अलग होने की संभावना होती | ग्राम में हत्या ,बलात्कार व् कुप्रथाओं जैसे अनेक अपराध हो चुके थे ,ग्राम की छवी की गतिविधि अपराधिक श्रेणी में लिप्त है ग्रामीणों के द्वारा विधायक को मारने व् लड़ाई झगडे के ऐसे अनेक किस्से विद्यमान है जहाँ कार्य करना बहुत मुस्किल था लेकिन हम लोंगो ने अपने कार्य कुशलता दिखाकर अपने आप को अत्यंत सरल, मधुर व् करके रखा था ताकि किसी प्रकार का समस्या उत्पन न हो सके हम लोंगो ने कार्य के दौरान नशीले से प्रभावीत लोंगो से प्रेम सौहद्र पूर्वक व्यवहार किये तथा कुछ आसामाजिक तत्वों को नजरअंदाज करके अपने कार्य किये |

महिला पदाधिकारियों के नेतृत्व में मशाल रैली व सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

ग्राम गोमची में ग्रामीणों से सम्पर्क व चर्चा के दौरान प्रमुख रूप से नशा और जुआ जिसका प्रभाव प्रत्येक ग्रामीणों के जीवन पर पड़ रहा था | इस विराट समस्या से लड़ने व आवाज़ उठाने हेतु ग्रामीणजन से जो इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते थे उनके इस विषय को पंचायत के पदाधिकारियों के समक्ष सम्पर्क व् संवाद कराया गया तथा सब की सहमति से मशाल रैली व सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जो पुर्णत: नशे व् जुआ के खिलाफ लोगो में जागरूकता हेतु आयोजित किया गया | जिसके परिणाम स्वरूप ग्रामीण अपनी समस्या को लेकर पंचायत के पदाधिकारी से मिल कर अपनी बात रखने का सफल कार्य किया तथा दोनों पक्षों में संवाद स्थापित करने का कार्य सफलता पूर्वक किया गया इस आयोजन में ग्राम की महिला ,युवा , वरिष्ठ नागरिक , पंच , सरपंच , आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता , मितानिन ,स्व सहायता समूह की

महिलाओं आदि की संयुक्त इच्छाशक्ति व सहयोग से यह कार्य संपन्न हुआ | मसाल रैली में संदिग्त क्षेत्र में व जिसके संरक्षण में यह कार्य फल फुल रहा है उन स्थानों में जाकर कड़ी निर्देश भी दिया और अपनी शक्ति का परिचय दिया गया|

मशाल रैली कर दिया जागरूकता का संदेश

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। ग्राम गोमची में पंडित रविशंकर शुक्ल विवि अध्ययनशाला रायपुर में अध्ययनरत सीबीपीआर (कम्युनिटी बेस्ड पार्टिसिपेटरी रिसर्च) के छात्रों ने परियोजना कार्य के निमित्त छात्र यशपाल साहू , प्रतीक साहेब गुप्ता , छत्रपाल साहू व शीतलेश साहू के द्वारा ग्राम गोमची, विकासखंड धरसींवा, जिला रायपुर का चयन कर* परियोजना कार्य के निर्देशक डॉ. एल एस गजपाल के साथ छात्रों ने लगभग एक माह से विभिन्न गतिविधियों से लोगो से जुड़कर कार्य संचालित किये जिसके दौरान ग्राम सम्पर्क के माध्यम से युवा समिति , महिला समूह , समाज प्रमुख , पंचायत प्रतिनिधियो के साथ ही अन्य वर्ग कृषक,मजदूर , व्यवसायी , व स्कूल प्रशासन इन सबसे मिलकर ग्रामीण समस्याओं पर विस्तृत चर्चा कर समस्या से निदान के लिये छात्रों द्वारा मशाल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशा उन्मूलन ,जुआ खेलने पर प्रतिबंध और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। मशाल रैली में महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया गया जो कि महिलाओं के नेतृत्व क्षमता को आगे लाने में सफल रहा। रैली में जागरूकता के दौरान, नशा नाश का जड़ है भाई, फल इसका बड़ा दुखदाई।

पंचायत पदधिकारियों और ग्रामीण समुदाय के साथ प्रश्नोत्तरी

CBPR के उपकरण व प्राविधि का प्रयोग कर गाँव में ताल मेल स्थापित कर संपर्क किये तत्पश्चात पंच सरपंच सचिव व ग्रामीणजनों से चयनित प्रश्न तैयार कर उनसे संवाद किया गया इसी सिलसले में पंच सरपंच से प्रश्नोतरी किया गया जो निम्न है –

1 . सरपंच

प्र .1.- आपको चुनाव लड़ने का विचार कैसे आयी ?
उत्तर – मै चुनाव लड़ने के बारे में कभी नै सोंची थी ,अपने पति के कहने पर मैंने चुनाव लड़ी यह उनका ही फैसला था उसने आस्वस्त किया था कि आपका चुनाव बस लड़ना है बंकि कार्य मै देख लूँगा |मै अपने पति का आभारी हूं की मुझे आगे लाया |
प्र. 2.- क्या ग्राम सभा व गाँव की गतिविधियों में आपके निर्णय को महत्व दिया जाता है ?
उत्तर - ग्राम सभा के बैठक में अधिकतर गाँव वाले नहीं आते है हम पदाधिकारी ही उपस्थित रहते है सबका विचार व सुझाव सुना जाता है तब कही जाकर निर्णय में पहुँचते है | गाँव की गतिविधियां सम्बंधित भागीदारी अधितर मेरे पति सचिव् व पंच का होता है और मै उनके फैस्ल्के का सम्मान करता हूं |
प्र . 3 .- क्या आपने पंचायती राज व्यवस्था में प्रशिक्षण प्राप्त किया है ?
उत्तर .-हाँ मैंने प्रशिक्षण दोनों कार्यकाल के दौरान लिया है |
प्र .4 .-ग्राम पंचायत को संचालित करते समय क्या क्या समस्या आती है ?
उत्तर – यदि कोई पंचायत स्तर पर फरियादी लेकर आती है तो सभी पंच सरपंच और सचिव के साथ रे मशुवारा करके उनका समाधान किया जाता है तथा कुछ निर्णयों से पीछे हटना पड़ता की कोई व्यक्तिगत दुश्मनी न ले इसका भय रहता है |
प्र .5 .- आप सफलता पूर्वक कार्य कर रहे है तो इसका क्या कारण है ?
उत्तर - मै इसका पूरा का पूरा श्रेय अपने पति और सचिव को देना चाहती हूं सरपंच का पूरा कार्य बहुत अच्छे से निर्वाहन कर रहा है |

प्र . 6.- आप गाँव में रात 10 बजे सहजतापूर्वक भ्रमण कर लेती है ?

उत्तर - नहीं ! क्योंकि अक महिला होने कारण बहुत सारी लोक मर्यादा होती है और रात में कुछ विशेष जगह से गुजरने में भयभीत लगता है ,यह सामान्य मनुष्य का व्यवहार है|

वरिष्ट महिला पंच

प्र .1.- आपको चुनाव लडने का विचार कैसे आयी ?

उत्तर – मेरे परिवार और मोहल्ले वाले ने मुझे मेरे निडर स्वभाव को देखते हुए चुनाव लड़ने को प्रेरित किया, चुनाव लड़ने का व्यक्तिगत मेरा भी फैसला था |

प्र.2.- क्या ग्राम सभा या गाँव की गतिविधियों में आपके निर्णय को महत्व दिया जाता है ?

उत्तर – हां , बिल्कुल मेरे बातो को महत्व दिया जाता है, निर्णयों में सभी की सामान भागीदारी होती है, साथ ही गाँव के कार्यक्रम या दूसरी गतिविधियों में सहयोग करती हूं

प्र.3. – आपने पंचायती राज व्यवस्था में प्रशिक्षण लिया है ?

उत्तर – मै पढ़ी लिखी नही हूं, लेकिन अच्छे बुरे का ज्ञान जरुर है उसी आधार पर अपने दायित्वों का निर्वाहन कर रही हूं |

प्र.4. – ग्राम पंचायत को संचालित करने में क्या क्या समस्या आती है ?

उत्तर – ज्यादा समस्या तो नही होती पर कुछ छोटे मोटे परेशानी आती है उसका समाधान भी हम सब मिलकर क्र लेते है, बैठके नियमित रूप से नही हो पाती है, बैठक में ग्रामीणों की भागीदारी नगण्य रहती है, इस कारण विकास कार्यो में अवरोध उत्पन्न होता है| गाँव में शौचालय बनवाने के लिए बहुत घुमा लेकिन अधिक जागरूकता नही दिखी |

प्र.5 निष्ठा से कार्यो को सफलता पूर्वक कर पाना .? इसका कारण क्या है ?

उत्तर – सफलता के पीछे मेरे परिवार वालो का साथ ओर पंच,सरपंच ओर सचिव के सहयोग एवं गाँव वालो के भरोसा से संभव हो जाता है.

प्र.6 आप रात 10 बजे गाँव में भ्रमण करने में सहजता महसूस करते है ?

उत्तर – हाँ, अपने गाँव में कैसा डर | सब अपने ही गाँव के है लेकिन स्कुल पारा में थोडा डर महसूस करती हूं |

युवा पंच

प्र.1 आपके मन में चुनाव लड़ने का विचार कैसे आया ?

उत्तर – अपने गाँव के विकास और सुधार के लिये यह फैसला लिया और इस बात का समर्थन वार्ड के लोगो ने भी किया |

प्र.2 ग्राम सभा की बैठक व अन्य गाँव की गतिविधियों में आपके विचारो को कितना महत्त्व दिया जाता है ?

उत्तर – हाँ गाँव की गतिविधियों में तो महत्त्व दिया जाता है, मगर ग्राम सभा की बैठक में कई बार मेरे बातो को अनसुना कर दिया जाता है | लेकिन अंतिम निर्णय/फैसला सर्वसम्मति से ही की जाती है |

प्र.3 क्या आपने शासन के द्वारा संचालित पंचायती राज प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त किया है ?

उत्तर - हा |

प्र.4 ग्राम पंचायत के कार्यो के संचालन में आपको क्या समस्या आता है ?

उत्तर – कई विषयों में आपसी सामंजस्य स्थापित कर पाने में कठिनाई होता था | वरिष्ट जन और युवा वर्ग के मध्य मतभिन्नता के कारण संघर्ष की स्थिति बनी रहती है |

प्र. 5 निष्ठा से कार्यो को सफलता पूर्वक कर पाना .? इसका कारण क्या है ?

उत्तर – अपने ग्रामवासियों का सहयोग परिवार का हमेसा साथ वरिष्ट जनों का मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से अपने दायित्व का निर्वहन अच्छे से कर पा रहा हूं |

प्र.6 आप रात 10 बजे गाँव में भ्रमण करने में सहजता महसूस करते है ?

उत्तर – मै सुरक्षित महसूस करता हूं | कोई डर नहीं लगता है |

वरिष्ट पंच

प्र.1 आपके मन में चुनाव लड़ने का विचार कैसे आया ?

उत्तर – यह मेरा स्वयं के द्वारा लिया गया निर्णय था | मैं गाँव के हित मे कुछ अच्छा काम करना चाहता हूं |

प्र.2 ग्राम सभा की बैठक व अन्य गाँव की गतिविधियों में आपके विचारो को कितना महत्त्व दिया जाता है ?

उत्तर – हाँ मेरे विचारो का सम्मान किया जाता है, क्योकि मैं सक्रीय रहता हूं |

प्र.3 क्या आपने शासन के द्वारा संचालित पंचायती राज प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त किया है ?

उत्तर – हां |

प्र.4 ग्राम पंचायत के कार्यो के संचालन में आपको क्या समस्या आता है ?

उत्तर – पंचायत में सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग से कोई परेशानी नहीं होती है | लेकिन कुछ फैसला लेते समय कई बार मन में झिझक जरुर होता है कि कोई व्यक्तिगत बैर न करे |

प्र.5 निष्ठा से कार्यो को सफलता पूर्वक कर पाना .? इसका कारण क्या है ?

उत्तर – परिवार और पंचायत पदाधिकारियों के निरंतर सहयोग से कोई दिक्कत नही होता |

प्र.6 आप रात 10 बजे गाँव में भ्रमण करने में सहजता महसूस करते है ?

उत्तर – मै सुरक्षित महसूस करता हूं | कोई डर नहीं लगता है |

इन्ही मुख्य प्रश्नोत्तरी के बिन्दुओ पर पंच, सरपंच से चर्चा के बाद ग्रामिनजनो से जानकारियाँ प्राप्त करने का प्रयास किया गया –

सक्रीय महिला

प्र.1 आपके अनुसार आपके गाँव की पंच,सरपंच अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक से कर पा रहे है ?

उत्तर – नहीं, क्योकि गाँव की जो मुलभुत सुविधा पानी के निकासी के लिए नाली, कचरा फेंकने का कूड़ादान की उचित व्यवस्था नहीं होना | गाँव में जगह जगह जुआ,नशापान का चलन इत्यादि. सरपंच महिला होने के कारण पुर्णतः अपने पति पर निर्भर रहना उचित कार्यवाही न कर पाना |

प्र.2 आप महिला सरपंच, पंच की क्या भूमिका देखते है ?

उत्तर – महिला हो या पुरुष उनका कर्तव्य है अपने गाँव का विकास करना , ग्रामवासियों की बातो को आगे ले जाना , सडक नाली ,बिजली , स्कूल , राशनकार्ड , आधार कार्ड आदि बनवाना है |महिला सरपंच होने पर जिम्मेदारी और बढ़ जाती है की महिलाओ के विकास और प्रोत्साहन के लिए विशेष कार्य करना ताकि महिलाये घर से निकल कर नेतृत्व करने के लिए आगे आये |

प्र. 3 – क्या गाँव में ग्राम सभी की सुचना दी जाती है , और आप जाते हो ?

उत्तर – समूह में जुड़ने के बाद ग्राम सभा में जाना प्रारंभ की हु , लेकिन ग्रामीण जन अधिकंशता नही जाते है |

प्र.4 . आपकी पंच सरपंच से क्या आपेक्षाये है ?

उत्तर – हमारी एक ही अपेक्षा कि हमारे गाँव का विकास हो, अच्छी सड़क , नाली, सभी ओर स्वच्छता हो|

प्र.5 – महिला पंच सरपंच होने से फायदा या नुकसान है ?

उत्तर – एक महिला होने नाते कहू तो बहुत अच्छा है , कम से कम आगे तो आ रही है लेकिन पुरुष प्रधान समाज के कारण पद तो है पर पॉवर पुरुषो के हाथो में रहता है |

सामान्य महिला

प्र.1 आपके अनुसार आपके गाँव की पंच,सरपंच अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक से कर पा रहे है ?

उत्तर – अभी कुछ सालो से गाँव का विकास थोडा रुक सा गया है, कुछ पंचायत पदाधिकारी तो बहुत अच्छे कार्य क्र रहे है पर कुछ लोग निष्क्रिय है |

प्र.2 आप महिला सरपंच पंच की क्या भूमिका देखते है ?

उत्तर – महिला पंच सरपंच की महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योकि उनके पास मौका है खुद के साथ अपने नारी शक्ति को साबित करने को कि अवसर दिया जाये तो गाँव की महिला घर के साथ पंचायत की भी संचालन कर सकती है |

प्र. 3 क्या आपको ग्राम सभा की जानकारि है और ग्राम सभा जाते हो ?

उत्तर – ग्राम सभा की मुन्यादी कराई जाती है , मै स्वम् तो जाती ही हु अन्य महिलाओ को भी प्रेरित करती हु |

प्र. 4. आपको पंच सरपंच से क्या आपेक्षा है ?

उत्तर – गाँव का विकास हो , हमारे गाँव गोमची को अच्छे कृत के लिए जाने |

प्र.5. महिला पंच सरपंच है तो इसका फायदा या नुकसान है ?

उत्तर – मै महिला हूं इस हिसाब से बहुत अच्छी बात है क्योकि हम अपनी समस्या सहजता पूर्वक रख सकते है और हमारी समस्याओ को भी समझेगी भी और उसका निवारण त्वरित होगा |

सामान्य ग्रामीण

प्र.1 आपके अनुसार आपके गाँव की पंच,सरपंच अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक से कर पा रहे है ?

उत्तर – प्राथमिक सुविधा जैसे – सडक , निकासी के लिए नाली , नही बन पाया है जिस करना इस कार्यकाल से थोड़ी असंतुष्ट है |

प्र.2 आप महिला सरपंच पंच की क्या भूमिका देखते है ?

उत्तर – महिला हो या पुरुष सरपंच सरपंच होता है, उनका काम है गाँव की तरक्की करना | हां महिला होने के कारण दायित्व बढ़ जाता है , घर के साथ पंचायत के कार्य भी देखना पड़ता है |

प्र. 3 क्या आपको ग्राम सभा की जानकारि है और ग्राम सभा जाते हो ?

उत्तर – हां ग्राम सभा की जानकारी तो है ,परन्तु मै शहर काम में जाने के कारण ग्राम सभा में नही जा पाता हूं |

प्र. 4. आपको पंच सरपंच से क्या आपेक्षा है ?

उत्तर – आपेक्षाये बहुत है, घुरवा का उचित जगह बनाये , नशा और जुआ बंद हो, सडक पर पानी बह रहा है तो उसके के लिए नाली का निर्माण करे |

प्र.5. महिला पंच सरपंच है तो इसका फायदा या नुकसान है ?

उत्तर – कोई नुकसान नही है , क्योकि महिला सरपंच तो नाम मात्र की होती है उनका पूरा कार्य सरपंच पति द्वारा किया जाता है |

वरिष्ट ग्रामीण

प्र.1 आपके अनुसार आपके गाँव की पंच,सरपंच अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक से कर पा रहे है ?

उत्तर – सभी की ईच्छाओ को पूरा करना असंभव है , गाँव का विकास कर रहा है कुछ कुछ कार्य बाकि है उसे भी पूरा कर लेगा ऐसा उमीद है |

प्र.2 आप महिला सरपंच पंच की क्या भूमिका देखते है ?

उत्तर – सबका सामान भूमिका होता है, हम ग्रामवासियों को गाँव तरक्की खुशहाली से वास्ता है, महिला पुरुष पंच सरपंच से नही|

प्र. 3 क्या आपको ग्राम सभा की जानकारि है और ग्राम सभा जाते हो ?

उत्तर – हां मुन्यादी किया जाता है, राजनीती में रूचि न होने के कारण सभा में नही जाता हूं |

प्र. 4. आपको पंच सरपंच से क्या आपेक्षा है ?

उत्तर – मै समझता हु हमारे गाँव के छोटे छोटे बच्चे नशा और जुआ खेलने लगे है जिस कारण स्कूल भी छोड़ रहे है इस ओर सरपंच को ध्यान देना चाहिए | और बाकि हम अपना विकास स्वम् करने में सक्षम है |

प्र.5. महिला पंच सरपंच है तो इसका फायदा या नुकसान है ?

उत्तर – ये अच्छी बात है महिला आगे आ रही है, अभी तो बदलाव नगण्य दिखाई दे रहा है पर भविष्य में बहुत व्यापक बदलाव जरुर आएगा |

निष्कर्ष एवं सुझाव –

1. ग्राम पंचायत और ग्रामीण जनो के बीच संवाद की कमी |
2. गाँव में घुरवा नाली और स्वच्छता के मुद्दे पर राजनीती ज्यादा हावी होना |
3. सरपंच से अधिक सरपंच पति का वर्चास्व का होना |
4. पंचायत पदाधिकारियों में आपसी तालमेल की कमी
5. ग्राम सभा , आम सभा में ग्रामवासियों की नगण्य उपस्थिति
6. ग्राम में नशा और जुआ अधिक मात्रा में खेलना
7. बच्चो का शाला त्यागना और नशा की लत में पड़ना

ग्रामीणजनों के द्वारा दिये गये सुझाव :-

1. पंचायती राज व्यवस्था का प्रशिक्षण केवल पंचायत पदाधिकारियों तक सिमित न रखा हर ग्रामीणों को दिया जाना चाहिए |

2. महिला पदाधिकारियों को अपने दायित्वों निर्वहन स्वम् करे व अपने परिजनों का जरुर परामस ले परन्तु अंतिम निर्णय स्वम् का हो | जिससे आपके द्वारा किये जाने वाले कार्य दिखेंगे और आपका भी नेतृत्व क्षमता में बढ़ोतरी होगी |
3. नशा , जुआ जैसे कुरूतियो के खिलाफ मसाल रैली करने के लिए सरपंच पंच और ग्रामवासियों में सवाद हुआ एक विकासत्मक कार्यो की सकारात्मक शुरुआत थी |
4. पंचायत पदाधिकारियों और ग्रामीणों में ग्राम सभा या किसी और माध्यम से संवाद आवश्यक है तभी गाँव का विकास कार्य दिखेंगे |
5. एक ग्रामीण का कहना था की छोटी कार्यक्रम के आयोजन से उनमे नेतृत्व का गुण भी विकसित होगा और आत्मबल में वृध्दी होगी ही, ग्राम में सृजनात्मक कार्यो को प्रोत्साहन मिलेगा |
6. शाला त्यागी बच्चो और नशा में लिप्त होते बच्चो को रोकने के लिए बाल पंचायत का निर्माण किया जाये जिससे सृजनात्मक कार्यो में भाग ले और संगत भी सुधरेगा |

रिपोर्ट का समुदाय के साथ साझा –

यह हमारे शोध कार्य की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है , जिसमे शोध के दौरान उनकी समस्या और उनसे ही प्राप्त समाधान व सुझावों को समुदाय के मध्य प्रस्तुत करना था | जिससे की समुदाय के सभी लोगों तक यह जानकारी पहुच सके और साथ ही वह सकारात्मक दिशा की ओर बढ़ सके |

दिनांक 28 . 03 . 2019 समय 6:00 बजे शाम को पंचायत भवन ग्राम गोमची में संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया जिसमे शोध निर्देशक डॉ. एल . एस. गजपाल व शैलेश (कहानीकार व चित्रकार) व पंच , सरपंच , स्व सहायता समूह की महिलाये , आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता , सहायिका , मितानिन , ग्राम से सामान्य नागरिक महिला एवं पुरुष दोनों उपस्थित रहें | यह हमलोगों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि थी की जिस ग्राम में ग्राम सभा या अन्य बैठक हेतु लोगो की उपस्थिति नगण्य होती थी वह भी इस बैठक में उपस्थित हुए |

बैठक में परिचय और औपचारिकता को पूर्ण कर उन्ही के माध्यम से चर्चा और कहानी का सहयोग लेते हुए उन सभी बिन्दुओं को उनके समक्ष प्रस्तुत किया जो शोध के दौरान हमने प्राप्त किया था | बैठक की महत्वपूर्ण बातें जो निम्न है –

- लोगो ने सार्वजानिक रूप से स्वीकार किया की ग्राम सभाओं में उनकी उपस्थिति नहीं होती तथा वह अपनी उपस्थिति के साथ ग्राम के प्रमुख लोगो विभिन्न वर्ग , समुदाय के उपस्थिति हो सके इस पर सुचना व्यवस्था का विस्तार , कड़े नियम व दंड का उपयोग , रजिस्टर के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करना और जो नाही आये उनका कारण जानने व कारवाही करने पर सामूहिक समर्थन किया |
- सरपंच के पति के हस्तक्षेप को कम करने हेतु सरपंच को सीधे सम्पर्क व उनके मदद हेतु कार्य करने की बात कही गयी जिसमे सभी पंच और स्वयं सरपंच ने आश्वासन दिया की वह उनसे सीधे सम्पर्क कर सकते है उन्हें किसी प्रकार के संकोच की ज़रूरत नहीं है | बाकि पंचो ने भी खुलकर इसका समर्थन किया |
- पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को भूमिका बढ़ सके इसलिए नशे व असामाजिक तत्वों को ग्राम सभा और आम सभा की बैठक से दूर रखने के साथ

साथ ग्राम के वातावरण नशे से , जुए से , मारपीट , अपराध से मुक्त बनाने हेतु जल्द इस विषय पर बैठक लेने व इसके समाधान करने का निर्णय किया |

इस (बैठक को 30 -03 -2019 समय 3 बजे दोपहर तय किया गया)

परिशिष्ट :-

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विश्वविद्यालय अध्ययन में आमंत्रित कर गोमची की महिलाओ का सम्मान :

- **विभिन्न गतिविधियाँ ग्राम गोमची की**

मशाल रैली कर दिया जागरूकता का संदेश

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। ग्राम गोमची में पंडित रविशंकर शुक्ल विवि अध्ययनशाला रायपुर में अध्ययनरत सीबीपीआर (कम्युनिटी बेस्ड पार्टिसिपेटरी रिसर्च) के छात्रों ने परियोजना कार्य के निमित्त छात्र यशपाल साहू , प्रतीक साहेब गुप्ता , छत्रपाल साहू व शीतलेश साहू के द्वारा ग्राम गोमची, विकासखंड धरसींवा, जिला रायपुर का चयन कर* परियोजना कार्य के निर्देशक डॉ. एल एस गजपाल के साथ छात्रों ने लगभग एक माह से विभिन्न गतिविधियों से लोगो से जुड़कर कार्य संचालित किये जिसके दौरान ग्राम सम्पर्क के माध्यम से युवा समिति , महिला समूह , समाज प्रमुख , पंचायत प्रतिनिधियो के साथ ही अन्य वर्ग कृषक,मजदूर , व्यवसायी , व स्कूल प्रशासन इन सबसे मिलकर ग्रामीण समस्याओं पर विस्तृत चर्चा कर समस्या से निदान के लिये छात्रों द्वारा मशाल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशा उन्मूलन ,जुआ खेलने पर प्रतिबंध और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। मशाल रैली में महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया गया जो कि महिलाओं के नेतृत्व क्षमता को आगे लाने में सफल रहा। रैली में जागरूकता के दौरान, नशा नाश का जड़ है भाई, फल इसका बड़ा दुखदाई।

रविवि के छात्रों ने मशाल रैली निकालकर दिया जागरूकता का संदेश

रायपुर (प्रखर)। ग्राम गोमची में पंडित रविशंकर शुक्ल विवि अध्ययनशाला रायपुर में अध्ययनरत (कम्युनिटी बेस्ड पार्टिसिपेटरी रिसर्च) के छात्रों ने परियोजना कार्य के निमित्त छात्र यशपाल साहू , प्रतीक साहेब गुप्ता, छत्रपाल साहू व शीतलेश साहू द्वारा ग्राम गोनची, विकासखंड धरसींवा, जिला रायपुर का चयन कर परियोजना कार्य के निर्देशक डॉ. एलएस गजपाल के साथ छात्रों ने लगभग एक माह से विभिन्न गतिविधियों से लोगों से जुड़कर कार्य संचालित किए जिस दौरान ग्राम सम्पर्क के माध्यम से युवा समिति, महिला समूह, समाज प्रमुख, पंचायत प्रतिनिधियों के साथ ही अन्य वर्ग कृषक,मजदूर , व्यवसायी व स्कूल प्रशासन इन सबसे मिलकर ग्रामीण समस्याओं पर विस्तृत चर्चा कर समस्या के निदान के लिए छात्रों द्वारा मशाल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशा उन्मूलन, जुआ खेलने पर प्रतिबंध और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। मशाल रैली में महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया गया जो कि महिलाओं के नेतृत्व क्षमता को आगे लाने में सफल रहा। रैली में जागरूकता के दौरान, नशा नाश का जड़ है भाई, फल इसका बड़ा दुखदाई। हम सब ने ये ठाना है गोमची स्वच्छ बनाना है, बीड़ी पीके खांस रहा है, मौत के आगे नाच रह है। ऐसे ऊर्जावान नारों के साथ लगभग 300 लोग शामिल हुए।रैली पश्चात सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें नुक्कड़ नाटक,प्रेरणा गीत, नाटकव हास्य प्रसंगों के माध्यम से लोगों को जागरूकता संदेश देने का प्रयास किया गया। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम साक्षरता, नशा उन्मूलन, जुआ, घरेलू हिंसा व महिलाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित रहा। इस आयोजन में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से राष्ट्रीय योजना के छात्र व व समाजकार्य विषय के छात्र कौशल गजेंद्र, लता महंत, कामिन, आदित्य कोसले, दीपिका धुरंधर , ओमकार साहू, दीक्षा, नवलकिशोर, शुभम, शालिनी उपस्थित रहे साथ ही ग्राम सरपंच दिनेश्वरी निषाद, पंच श्यामा बाई बंजारे व ईश्वर यदु, मोहन साहू, चन्द्रकला निषाद के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व ग्रामीणजनों का सहयोग व उपस्थिति रही।

गे टापू

मांग पूरी

कानागांव बाजार सड़क के बाद) लागत 21 लाख 68 हजार 400 के नए पुल शामिल है।

इस मौके पर अध्यक्ष जिला पंचायत देवचंद मातलाम एवं सदस्य लद्दू राम उईके ने लोगों को बधाई देते हुए कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में यह पुल अहम भूमिका निभाएगा। इससे जहां शासन द्वारा

शासकीय प्राथमिक शाला गोमची
विकास-खण्ड-धरसींवा, जिला-रायपुर
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
C.B.P.R.
"community Based Participatory Research"
विश्वविद्यालय अध्ययन शाला ईकाई
आपका हार्दिक अभिनंदन करती है...

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
C.B.P.R.
"Community Based Participatory Research"

सामाजिक
समस्यों पर सीधे
वार
C.B.P.R#CB.P.R

भोजन मीनू चार्ट

समाजशास्त्र
अध्ययनशाला
समुदाय में समाजकार्य
एक दिवसीय ग्रामीण एवं
सामुदायिक जागरूकता शिविर
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,

सामुदायिक जागरूकता शिविर
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

समाजशास्त्र एवं समाजकार्य
अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

राष्ट्रीय सेवा योजना
विश्वविद्यालय अध्ययनशाला इकाई
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
महात्मा गांधी जी की
रायपुर (छ.ग.)
Participatory

रंग मंच गोमची
एवं समाजकार्य
रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
C.B.P.R.
Based Participatory Research
अभिनंदन करती है...

जशास्त्र एवं समाजकार्य
अध्ययनशाला
. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.)
C.B.P.R.
"community Based Participatory Research"
विश्वविद्यालय अध्ययन शाला इकाई
आपका हार्दिक अभिनंदन करती है...
राष्ट्रीय सेवा योज

University of Victoria
रायपुर (छ.ग.)
राष्ट्रीय सेवा योजना
विश्वविद्यालय अध्ययनशाला इकाई
शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)